फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 191 प्रभात जयपुर, सोमवार 14 फरवरी, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Lata's Deep Connect With Rajasthan

Hajri at Shri Nathdwara was mandatory in every trip that she took to Udaipur she never came away from Calcutta without a visit to the Belur Muth. She believed in miracles and spoke of her conversation with Kanha.

J'ADORE: Cute Couple Goals

एटलांटिक, हिन्द एवं प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) व उपोष्णकटिबंधीय (सबट्रॉपिकल) पानी में रहने वाले हॉक्सबिल टर्टल, विशाल क्षेत्र में फैले होने के बावजूद गंभीर रुप से संकटग्रस्त हैं। इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) के अनुसार, गत तीन पीढ़ियों में इनकी आबादी में 84 से 87 प्रतिशत कमी आई है और इनकी संख्या निरंतर गिर रही है। सभी सी टर्टल प्रजातियों के समान, हॉक्सबिल टर्टल की सही संख्या बताना मुश्किल है, क्योंकि ये जीवन का अधिकतर समय पानी के अंदर बिताते हैं। इसलिए इनकी आबादी का अनुमान प्रजनन कर रही मादा टर्टल की संख्या से लगाया जाता है। प्रजनन कर रही मादा हॉक्सबिल टर्टल की सबसे बड़ी आबादी ग्रेट बैरियर रीफ के पास मिलती है, जहाँ 6000 से 8000 हजार मादा हर वर्ष घोंसले बनाती हैं। ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिम तट पर करीब 2000 और सोलोमन आइलैण्ड्स व इण्डोशिया में भी लगभग दो-दो हज़ार मादा टर्टल प्रजनन करती हैं। इसके अलावा, रिपब्लिक ऑफ सेशल्स, मैक्सिको, क्यूबा व बारबडोस में अच्छी संख्या में हॉक्सबिल टर्टल देखे जाते हैं तथा कुछ छोटे समूह पोर्तो रीको, यू.एस. वर्जिन आइलैण्ड्स व हवाई में नज़र आते हैं। अन्य सी टर्टल्स के समान हॉक्सबिल टर्टल्स को भी आवास विनाश, अत्यधिक शिकार, मछली उद्योग, तटों पर हो रहे विकास कार्यों तथा मरीन पल्यूशन से खतरा है। तथापि, अवैध वाइल्डलाइफ ट्रेड से इन्हें विशेष खतरा है क्योंकि इनके सुंदर तथा अलंकृत शैल (आवरण) की बहुत मांग है। तट पर हो रहे विकास के कारण भी इनकी संख्या कम हो रही है क्योंकि, अन्य टर्टल्स के मुकाबले, ये तट से काफी दूर "इन्लैण्ड" जाकर, रेत में घोंसले बनाते और प्रजनन करते हैं और इन स्थानों के करीब विकास कार्य हो रहे होते हैं। अंडों व मांस के लिए इनका शिकार होता है, लेकिन मुख्य आकर्षण है इनका खूबसूरत शैल, जिससे कंघे, जूलरी और अन्य कलाकृतियाँ बनाई जाती हैं। माना जाता है कि 2000 वर्ष पूर्व, जूलियस सीज़र के समय भी टर्टल शैल्स से बनी कलाकृतियाँ बहुत लोकप्रिय थीं।

प्रदेश में 5वीं तक के स्कूल खोले, शादी समारोहों से सभी तरह की पाबंदियां हटीं

गृह विभाग ने राजस्थान में करोना संक्रमण घटने का हवाला देकर नई गाइडलाइन जारी कर लगभग सभी पाबंदियां हटाई

- **यह नई गाइडलाइन आगामी 16 फरवरी से लागू होगी, हालांकि विदेश से आने वाले लोगों का नैगेटिव रिपोर्ट आने तक क्वारेंटीन किया जाएगा।**
- **राज्य में क्लब, रैस्टोरेंट, होटल, जिम, सिनेमा और मल्टीप्लैक्स अब 100 फीसदी क्षमता से चल सकेंगे।**

जयपुर, 13 फरवरी (का.सं)। राजस्थान के सभी शहरों में 5वीं कक्षा तक के स्कूल भी अब 16 फरवरी से खुल जाएंगे। शादियों से लेकर हर समारोह में अब अनलिमिटेड लोग शामिल हो सकेंगे। 250 लोगों की लिमिट हटा दी गई है। क्लब, रैस्टोरेंट, होटल, जिम, सिनेमा और मल्टीप्लेक्स अब 100 फीसदी क्षमता से चल सकेंगे। हालांकि विदेश से आने वालों को नेगेटिव रिपोर्ट आने तक क्वारैंटाइन किया जाएगा। इस संबंध में गृह विभाग ने रविवार को नई गाइडलाइन जारी कर करीब-करीब सभी पाबंदियां हटा दी है, सिर्फ कुछ चुनिंदा रोक-टोक लागू रहेगी। गृह विभाग ने करोना संक्रमितों की संख्या में गिरावट का हवाला देकर नई गाइडलाइन में इन पाबंदियों को हटाया है। यह आदेश 16 फरवरी से लागू होंगे।

गाइडलाइन के मुताबिक प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों (शहरों) में सभी निजी व सरकारी स्कूलों में 5वीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने की अनुमति दे दी गई है। हालांकि विद्यार्थियों को स्कूल बुलाने के लिए अभिभावकों की लिखित सहमति लेनी होगी।

गाइडलाइन में कहा गया है कि संस्था प्रधान, सभी विभागाध्यक्ष, कार्यालय प्रमुख और अन्य संस्थानों के संचालक बाकायदा चस्पा करेंगे कि उनके स्टॉफ के कितने लोगों ने कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लगवा ली है। उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा विदेशों से अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा कर राजस्थान में आने वाले सभी यात्रियों का गंतव्य पर पहुंचने पर एयरपोर्ट कोविड टीम द्वारा आवश्यक रूप से आर.टी.-पी.सी.आर. जांच करना अनिवार्य होगा। आर.टी.- पी.सी.आर. जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक सम्बन्धित यात्री को 7 दिन के लिए संस्थागत अथवा होम क्वारंटीन किया जायेगा। घरेलू हवाई यात्रा व ट्रेन के माध्यम से यात्रा कर राजस्थान में आने वाले यात्रियों को डबल डोज वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट अथवा आगमन से पूर्व यात्रा प्रारम्भ करने के 72 घण्टे के अन्दर करवाई गई आर.टी.-पी.सी.आर. नेगेटिव जांच रिपोर्ट प्रस्तुति करनी अनिवार्य होगी। अगर कोई यात्री डबल डोज वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट अथवा आर.टी.-पी.सी.आर. नेगेटिव जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है, तो गंतव्य पर यह जांच करवाना अनिवार्य होगा। आर.टी.- पी.सी.आर. जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक सम्बन्धित यात्री को 7 दिन के लिए संस्थागत/होम क्वारंटीन किया जायेगा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर फिलीपींस दौरे के लिए रवाना हुए

मनीला/नई दिल्ली 13 फरवरी (वार्ता)। विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को तीन दिवसीय फिलीपींस दौरे के लिए रवाना हुए। वह फिलीपींस नौसेना के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों की तीन बैट्रीयों के लिए 37.49 करोड़ अमेरिकी डालर का सौदा करेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर स्वास्थ्य, सुरक्षा सहयोग पारस्परिक हित और वैश्विक मामलों सहित फिलीपीन-भारत संबंधों पर फिलीपींस के विदेशमंत्री सचिव तियोदो एल लोक्सिन जूनियर के साथ चर्चा करेंगे।

- **वे फिलीपींस नौसेना के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए बैटरियों की खरीद का समझौता करेंगे।**

फिलीपींस के विदेश मंत्रालय ने कहा, डा. जयशंकर की यात्रा फिलीपींस और भारत के बीच कोविड के बाद अपने संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

दोनों नेताओं द्वारा द्विपक्षीय सहयोग पर संयुक्त आयोग की बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में विकास की समीक्षा करने की उम्मीद है। गौरतलब है कि नवंबर 2020 में दोनों देशों के संयुक्त आयोग ने द्विपक्षीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार से अभी तक क्यों नदारद हैं राहुल गांधी

दो चरणों का चुनाव प्रचार पूरा हो चुका है, बाकि राज्यों में तो राहुल प्रचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक यू.पी. नहीं पहुंचे हैं

- **राज्य में कांग्रेस के प्रचार अभियान का नेतृत्व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कर रही हैं। लगभग 30 वर्षों में यह पहला मौका है जब कांग्रेस उत्तर प्रदेश की लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है।**
- **राहुल गांधी गोवा, उत्तराखण्ड और पंजाब में प्रचार कर चुके हैं। वे उत्तर प्रदेश चुनावों के लिए पार्टी के युवा घोषणा पत्र को लॉन्च करने के लिए प्रियंका गांधी के साथ दिल्ली में मौजूद थे।**

लखनऊ, 13 फरवरी। उत्तर प्रदेश में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शनिवार को समाप्त हो गया और अब सोमवार 14 फरवरी को मतदान होगा। लेकिन इस दौरान कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने यू.पी. में एक बार भी चुनाव प्रचार करने नहीं पहुंचे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले दो चरणों के लिए राहुल गांधी स्टार प्रचारकों की सूची में थे।

ऐसा नहीं है कि राहुल प्रचार के लिए ही नहीं उतरे हैं। उन्होंने बाकी के तीन चुनावी राज्यों में कांग्रेस के लिए प्रचार किया है। लेकिन राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में कोई रैली या डोर-टू-डोर अभियान नहीं किया है।

राज्य में कांग्रेस के प्रचार अभियान का नेतृत्व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कर रही हैं। लगभग 30 वर्षों में यह पहली बार है जब कांग्रेस उत्तर प्रदेश की लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। प्रियंका गांधी चुनाव में पार्टी का चेहरा हैं और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ बड़े पैमाने पर प्रचार कर रही हैं। पार्टी नेता सचिन पायलट और दीपेंद्र हुड्डा ने भी उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले दो चरणों में प्रचार किया है।

राहुल गांधी गोवा, उत्तराखंड और पंजाब में प्रचार कर चुके हैं। वह उत्तर प्रदेश चुनावों के लिए पार्टी के युवा घोषणापत्र को लॉन्च करने के लिए प्रियंका गांधी के साथ दिल्ली में मौजूद थे। उन्होंने दिसंबर में अमेठी का दौरा किया था। वे इस निर्वाचन क्षेत्र से 2019 के लोकसभा चुनावों में हार गए थे। लेकिन राहुल ने अमेठी का दौरा तब किया था जब चुनाव की घोषणा नहीं की गई थी।

कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी आने वाले दिनों में राज्य में एक साथ चुनाव प्रचार करेंगे। 16 फरवरी को कानपुर में एक रैली की योजना बनाई जा रही है और पार्टी के दोनों नेताओं के इसे संबोधित करने की उम्मीद है। प्रियंका गांधी ने गोवा, उत्तराखंड और पंजाब में चुनाव प्रचार के अलावा उत्तर प्रदेश में 18 से अधिक रोड शो, डोर-टू-डोर अभियान और रैलियां की हैं। राहुल गांधी ने गोवा, पंजाब और उत्तराखंड में 12 से अधिक प्रचार कार्यक्रमों को संबोधित किया है।

पार्टी उत्तर प्रदेश में कड़ी लड़ाई लड़ रही है और पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि उनके अभियान में शामिल होने से पार्टी के प्रयास में और तेजी आएगी। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था और राहुल गांधी ने राज्य में बड़े पैमाने पर प्रचार किया था।

यू.पी. में दूसरे चरण का मतदान आज

लखनऊ, 13 फरवरी (वार्ता)। चुनाव आयोग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण में सोमवार को नौ जिलों की 55 सीटों पर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिये तैयारियां पूरी कर ली हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने रविवार को मतदान की तैयारियों की जानकारी देते हुये बताया कि दूसरे चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रुहेलखंड के नौ जिलों की 55 विधानसभा सीटों पर चुनाव

- **सोमवार को 55 सीटों पर वोटिंग होगी।**

आयोग की पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी गयी हैं। सोमवार को सुबह सात बजे मतदान शुरु होने से पहले प्रत्येक मतदान केन्द्र पर सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली जायेंगी।

गौरतलब है कि इस चरण में सुबह सात बजे से सायं छह बजे तक जिन जिलों में मतदान होगा, उनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा, सहारनपुर और बिजनौर जिले तथा रूहेलखंड के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, बरेली, बदायूं एवं शाहजहांपुर जिले शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन दिन से धरने पर बैठे सांसद किरोड़ीलाल के आगे झुकी राज्य सरकार

राज्य सरकार ने विधवा मनीष जाट को 10 लाख रु. और सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया

- **मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर धरने पर बैठे थे किरोड़ीलाल मीणा, सरकार द्वारा शर्तें मानने पर खत्म किया आंदोलन।**
- **मनीष जाट को 1 माह की तनख्वाह देंगे और ठेकेदार के बकाया 2 लाख रुपए भी दिलवाएंगे : किरोड़ीलाल।**

जयपुर, 13 फरवरी (कासं)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोडी लाल मीणा पिछले 3 दिनों से ट्रक ड्राइवर की विधवा पत्नी मनीष जाट के साथ मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर धरने पर बैठे थे। आखिरकार रविवार को गहलोत सरकार डॉ. किरोड़ीलाल के आंदोलन के आगे झुकी और उनकी सभी शर्तें मानकर धरना खत्म करवाया।

डॉ. मीणा ने बताया कि राज्य सरकार ने विधवा मनीष जाट को 10 लाख रुपए और सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया है। सरकार की ओर से मंजूरी होने के बाद मंत्री राजेन्द्र गुढा ने सांसद किरोड़ीलाल को इसकी जानकारी दी और धरना समाप्त करवाया। उन्होंने कहा कि 10 लाख रुपए में से एक लाख रुपए विधवा को दिए हैं, शेष 9 लाख रुपए जल्द ही विधवा के गांव जाकर सौंपे जाएंगे। इसके साथ ही उसे सरकारी नौकरी का भी आश्वासन दिया है, मनीष जाट को 1 माह की तनख्वाह देंगे और ठेकेदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लता मंगेशकर के स्टूडियो की बिक्री

कोल्हापुर, 13 फरवरी (वार्ता)। अखिल भारतीय मराठी फिल्म उद्योग (ए.आई.एम.एफ. आई.) ने दिवंगत लता मंगेशकर के स्वामित्व वाले जयप्रभा स्टूडियो की बिक्री के मुद्दे को लेकर रविवार को क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की।

ए.आई.एम.एफ.आई. के उपाध्यक्ष वीपी धनाजी यमकर की अगुवाई में अभिनेता स्वप्निल रक्षक और छाया संगाओन्कर, फिल्म तकनीशीयन और व्यापार से संबंधित लोग शहर के मंगलवार पथ इलाके में स्थित स्टूडियो के सामने एकत्रित हुए।

- **अखिल भारतीय मराठी फिल्म उद्योग ने लता मंगेशकर के स्वामित्व वाले जयप्रभा स्टूडियो की बिक्री के मुद्दे को लेकर रविवार को क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की।**

इस मौके पर यमकर ने कहा , स्टूडियो की बिक्री 15 फरवरी-2020 को 6.50 करोड़ में कर दी गई थी। हमें इसकी जानकारी शनिवार को स्थानीय मीडिया के जरिए मिली। इसका मतलब है कि कोल्हापुर के लोगों को सौदे के बारे में अंधेरे में रखा गया।

'अमरिंदर सिंह भाजपा के इशारे पर काम कर रहे थे'

चंडीगढ़, 13 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारों पर काम कर रहे थे।

कोटकपुरा में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए वाड्रा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम लिये बिना कहा कि पांच सालों से चल रही उनकी पार्टी की सरकार में कुछ खामियां थीं, कहीं रास्ते में भटक गये थे। उन्होंने कहा कि वह सरकार पंजाब से चलनी बंद हो गई। वो सरकार दिल्ली से चलने लगी और दिल्ली में भी कांग्रेस पार्टी से नहीं, बल्कि भाजपा और भाजपा की सरकार के जरिये चल रही थी।

- **पंजाब में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने यह आरोप लगाया।**

कांग्रेस नेता ने कहा, वह जो छुपी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'किरोड़ी करते हैं धरने से दबाव की राजनीति, राजेन्द्र राठौड़ को कोई गंभीरता से नहीं लेता'

महेश जोशी बोले "राजेन्द्र राठौड़ को बीजेपी अपना नहीं मानती, संघ भी उनके साथ नहीं है, इसलिए उन्हें जोर-जोर से बोलकर अपनी बात कहनी पड़ती है"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 13 फरवरी। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने सासंद किरोड़ी लाल मीणा के विरोध-प्रदर्शन को राजनीतिक दबाव की रणनीति करार दिया और गलत बताया। इसी के साथ महेश जोशी और बीसूका उपाध्यक्ष बने डॉ. चंद्रभान ने राजेंद्र राठौड़ को लेकर कहा कि "राजेंद्र राठौड़ की कोई सुनता नहीं, इसलिए जोर-जोर से बोल कर अपनी बात कहनी पड़ती है। उन्हें बीजेपी अपना नहीं मानती और संघ भी उनके साथ नहीं है।"

जोशी ने सांसद मीणा की ओर से दिए जा रहे धरने को लेकर कहा किन नियमों के तहत जो किसी को मदद मिल सकती है,उसे वह मदद मिलना चाहिए और सरकार देती भी है। जहां तक किरोड़ी लाल मीणा का सवाल है वह वरिष्ठ नेता है। उन्हें इस तरह राजनीतिक दबाव नहीं बनाना चाहिए। जोशी ने रीट परीक्षा अनियमितता मामले में कहा कि एस.ओ.जी. इसकी जांच कर रही है। गहलोत सरकार ने भी इस मामले में एस.ओ.जी. को फ्री हैंड दे रखा है, लेकिन भाजपा के नेता इस पर केवल राजनीति कर रहे है।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री सलाहकार और विधायकों की राजनीतिक नियुक्ति पर लगातार सवाल उठा रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ पर जलदाय मंत्री महेश जोशी और बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान ने तंज कसा है।

- **राठौड़ किस हैसियत से स्वयं को उपनेता प्रतिपक्ष लिखते हैं, विधानसभा में ऐसा कोई पद होता ही नहीं : चंद्रभान।**

जोशी ने कहा कि राठौड़ को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता और न बीजेपी ही अपना मानती है, संघ भी उनके साथ नहीं है। वहीं डॉ. चंद्रभान ने राजेंद्र राठौड़ के प्रतिपक्ष के उपनेता पद पर सवाल खड़े किये हैं।

जोशी ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, जिस कारण उन्हें चिल्ला-चिल्ला कर अपनी बात कहनी पड़ती है और जताना पड़ता है कि वह भाजपा और संघ के नेता हैं, जबकि न बीजेपी उन्हें अपना मानती है और न ही संघ। जोशी ने कहा कि राठौड़ उनके मित्र हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में वह अपनी साख खोते जा रहे है।

जोशी के अनुसार जनप्रतिनिधि को तथ्यात्मक बात करनी चाहिए। राजनीतिक नियुक्तियों में सी.एम. ने ही मंत्री का पद दिए जाने से इनकार कर दिया और मुख्यमंत्री की नियुक्ति पर सवाल उठाने वाले भूल गए कि कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी ने भी जब ऑफिस ऑफ प्रॉफिट की बात आई थी तो खुद लोकसभा से इस्तीफा दे दिया था। जलदाय मंत्री ने कहा कि कानून एवं संविधान का सम्मान करना कांग्रेस से बेहतर कोई नहीं जानता। जोशी ने विधानसभा के भीतर चल रहे गतिरोध के लिए भी भाजपा को जिम्मेदार ठहराया।

बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान ने भी राजेंद्र राठौड़ की ओर से विधायकों को दी गई राजनीतिक नियुक्तियों के खिलाफ राज्यपाल को लिखे गए पत्र के मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजेंद्र राठौड़ किस हैसियत से खुद का पद उपनेता प्रतिपक्ष लिखते हैं, जबकि विधानसभा में ऐसा कोई पद होता ही नहीं है। चंद्रभान के अनुसार राठौड़ विपक्ष में है और विपक्ष का काम आरोप लगाना है, लेकिन विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं है।